Literacy for a Billion

Movie: Nayak
Year: 2001

Song: Chalo chale mitwa
Lyricist: Anand Bakshi

चलो चलें मितवा
इन ऊँची नीची राहों में
तेरी प्यारी प्यारी बाहों में
कहीं हम खो जाएँ
कभी नींद से जागे हम
कभी फिर सो जाएँ
चलो चलें मितवा
इन ऊँची नीची राहों में
तेरी प्यारी प्यारी बाहों में
कहीं हम खो जाएँ
कभी नींद से जागे हम
कभी फिर सो जाएँ
लाज की रेखा में पार कर आई
कुछ भी कहे अब कोई
मैं तो प्यार कर आई
ये अभी नहीं होगा
तो कभी नहीं होगा
आ मेरे सजन कर ले मिलन
काट खाएगा हाए हाए ये प्रेम बिछुआ
चलो चलें मितवा
इन ऊँची नीची राहों में
तेरी प्यारी प्यारी बाहों में
कहीं हम खो जाएँ
कभी नींद से जागे हम
कभी फिर सो जाएँ

आ तुझे अपनी पलकों पे
मैं बिठाके ले चलता हूँ
चल तुझे सारी दुनिया से
मैं छुपाके ले चलता हूँ
मैं तेरे पीछे हूँ
पाँव के नीचे हूँ
नैन भी मींचे हूँ
सुन ओ सैंया ले ले बैयाँ
ये अभी नहीं होगा
तो कभी नहीं होगा
आ मेरे सजन कर ले मिलन
काट खाएगा हाए हाए ये प्रेम बिछुआ
चलो चलें मितवा
इन ऊँची नीची राहों में
तेरी प्यारी प्यारी बाहों में
कहीं हम खो जाएँ
कभी नींद से जागे हम
कभी फिर सो जाएँ
आग दिल में लग जाती है
नींद अब किसको आती है
नींद आने से पहले ही
याद तेरी आ जाती है
चाँद दीपक बाती
सब हमारे साथी
प्यार के बाराती
कल परसों से नहीं बरसों से
ये अभी नहीं होगा
तो कभी नहीं होगा
आ मेरे सजन कर ले मिलन
काट खाएगा हाए हाए ये प्रेम बिछुआ

चलो चलें मितवा
इन ऊँची नीची राहों में

तेरी प्यारी प्यारी बाहों में
कहीं हम खो जाएँ

कभी नींद से जागे हम

कभी फिर सो जाएँ
हो... हो... हो... हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.